



भारत का राजपत्र The Gazette of India

CB
3/17

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 3, 1985/पौष 13, 1906
No. 10] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 3, 1985/PAUSA 13, 1906

इत भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1985

अधिसूचना

सं. 1/85-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 10 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टैक्स-
टाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3
की उपधारा (3) और वित्त अधिनियम, 1984 (1984 का 21) की धारा 52 की
उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944

(1944 का 1) की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसी प्रथा के अनुसार जो, उक्त अधिनियमों के अधीन, उत्पाद-शुल्क, और विशेष उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम की पहली अनुसूची की मद सं. 20 की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले सिल्क के कपड़ों पर उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क, 11 मई, 1984 से प्रारम्भ होकर 31 मई, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, उद्ग्रहीत नहीं की जा रही थी, यह निदेश देती है कि ऐसे सिल्क के कपड़ों पर उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 3 के अधीन और उक्त अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्सटाइल और टेक्सटाइल बस्तु) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन उद्ग्रहणीय समस्त उत्पादशुल्क तथा उक्त वित्त अधिनियम की धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन उद्ग्रहणीय विशेष उत्पाद-शुल्क संदत्त करना अपेक्षित नहीं होगा, जिस सिल्क के कपड़ों पर, उक्त उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क, उक्त प्रथा के अनुसार, पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. बी. 27/3/84-टी आर यू]

के. एस. बेंकटगिरि, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 3rd January, 1985

NOTIFICATION

No. 1/85-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 10(E).—In exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978) and sub-section (4) of section 52 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), the Central Government, being satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of the duties of excise and the special duty of excise (including non-levy thereof), under the said Acts, the duties of excise and the special duty of excise on silk fabrics, falling under sub-item (1) of Item No. 20 of the First Schedule to the said Central Excises and Salt Act, was not being levied under the said Acts, during the period commencing on the 11th May, 1984 and ending

with the 31st May, 1984, hereby directs that the whole of the duties of excise leviable under section 3 of the said Central Excises and Salt Act and sub-section (1) of section 3 of the said Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, and the special duty of excise leviable under sub-section (1) of section 52 of the said Finance Act, on such silk fabrics, shall not be required to be paid in respect of such silk fabrics, on which the said duties of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. B. 27/3/84-TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.

